वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 54 | गुरुवार 22 जून 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में तीन दिन बाद फिर बारिश की संभावना

बिपरजॉय तूफान के बाद अब गर्मी-उमस बढ़ेगी, 24 जून से 9 जिलों में बरसात होगी

जयपुर. कासं

राजस्थान से बिपरजॉय तूफान के जाने के साथ ही बारिश का दौर अब हल्का पड़ गया है। इसके साथ ही अब गर्मी के तेवर फिर से बढ़ने लगेंगे। पश्चिमी राजस्थान के जिलों में जहां लोगों ने बीते सप्ताह बाढ़ देखी वहां अब वापस गर्मी और उमस से लोग परेशान होंगे। यहां दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर जा सकता है। वहीं, 24 जून से एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होगा। पिछले 24 घंटे के मौसम की स्थिति देखे तो जयपुर,

गंगानगर में पारा 44 पर पहुंचा

एक तरफ चक्रवात के कारण आधा राजस्थान में बाढ़-बारिश झेल रहा है, वहीं उत्तरी राजस्थान के जिलों में लोग गर्मी और उमस से परेशान है। गंगानगर में कल दिन का अधिकतम तापमान 43.9 डिग्री सेल्सियस तक आ गया। यहां सूरज की तपन के साथ उमस भी खूब रही। यही स्थिति बीकानेर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं में रही। चूरू में कल तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस रहा और गर्मी तेज रही, लेकिन देर शाम मौसम बदलने के बाद लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। बीकानेर में कल अधिकतम तापमान 40, पिलानी में 40.8 और हनुमानगढ़ में 42.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इन शहरों में भी लोग उमस से परेशान रहे। इन शहरों में अधिकांश जगह वातावरण में ह्यूमिडिटी लेवल 50 से लेकर 80 फीसदी के बीच रहा।

अजमेर, भरतपुर संभाग के जिलों में बारिश होने के अलावा शेष जगह मौसम शुष्क रहा। कल नागौर, चूरू, जयपुर, अजमेर के अलावा पूर्वी राजस्थान में धौलपुर, करौली के आसपास बारिश हुई। सबसे ज्यादा बरसात अजमेर के जावजा में 68एमएम दर्ज हुई।

पश्चिमी राजस्थान में बढ़ेगी गर्मी

राज्य में अब अगले कुछ दिन पश्चिमी, उत्तरी और दक्षिण राजस्थान में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, जालौर समेत अन्य जिलों में तापमान बढ़कर 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर जा सकता है। गर्मी बढ़ने के साथ ही इन क्षेत्र के जिलों में उमस से भी लोग परेशान होंगे। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 22 और 23 जून को राजस्थान में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। कुछ स्थानों पर लोकल एरिया में बादल छाने के साथ से हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। लेकिन 24 जून से पूर्वी राजस्थान के हिस्सों में लोकल स्तर पर सिस्टम विकसित होगा, जिसके असर से 24-25 जून पूर्वी राजस्थान में एक बार वापस बारिश की गतिविधियों शुरू होगी। इस सिस्टम के असर से बारां, भरतपुर, बूंदी, दौसा, धौलपुर, झालावाड़, करौली, कोटा और सवाई माधोपुर जिलों में कहीं-कहीं तेज हवाएं चलने के साथ बारिश हो सकती है।

स्पेशल ट्रेनों का संचालन समय बढ़ाया

उदयपुर से जम्मूतवी और गुवाहाटी चलने वाली साप्ताहिक ट्रेनें जुलाई में भी चलेगी

जयपुर. कासं। रेलवे ने पैसेंजर की भीड़ और लम्बी वेटिंग लिस्ट को देखते हुए दो स्पेशल ट्रेनों के संचालन समय को बढ़ाया है। ये स्पेशल ट्रेन उदयपुर से जम्मूतवी और गुवाहाटी के लिए सप्ताह में एक बार चलती है। जम्मूतवी जाने वाली गाड़ी का संचालन एक माह, जबकि गुवाहाटी जाने वाली गाड़ी का संचालन 4 माह के लिए बढ़ाया है। उत्तर पश्चिम रेलवे से जारी

शेड्यूल के मुताबिक गाड़ी संख्या 04655 उदयपुर सिटी-जम्मूतवी ट्रेन अब 7 जुलाई से 28 जुलाई तक हर शुक्रवार को अपने निर्धारित समय दोपहर 2.20 बजे उदयपुर से चलेगी और अगले दिन दोपहर 3.10 बजे जम्मूतवी स्टेशन पहुंचेगी। इस बीच ये ट्रेन चांदेरिया, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, भिवानी, हिसार, जाखल जं., धूरी जं., लुधियाना, जालांधर, पठानखोट स्टेशनों पर स्टॉपेज देगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 05615 उदयपुर सिटी-गुवाहाटी ट्रेन 5 जुलाई से 1 नवंबर तक हर बुधवार को उदयपुर से दोपहर 2.20 बजे चलेगी, जो शुक्रवार देर रात 11.30 बजे गुवाहाटी स्टेशन पहुंचेगी। इस दौरान ये ट्रेन चांदेरिया, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, इटावा, कानपुर, लखनऊ, अयोध्या, गोरखपुर, छपरा, मुज्जफरपुर, समस्तीपुर, बेंगूसराय, किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी होते हुए गुवाहाटी स्टेशन पहुंचेगी।

स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है नियमित दिनचर्या और योग

जयपुर. कासं। नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर चूरू जिले में विभिन्न स्थानों पर योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग की ओर से पुलिस लाइन मैदान में जिला स्तरीय कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों,कर्मचारियों एवं आम जन ने योगाभ्यास किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेहाना रियाज ने कहा कि वर्तमान भागदौड़ की जिंदगी, खान-पान और जीवन शैली ने हर आदमी के सामने स्वास्थ्य का संकट पैदा कर दिया है। वर्तमान में व्यक्ति जिन चुनौतियों से सर्वाधिक जूझ रहा है, स्वस्थ रहने की चुनौती उसमें सबसे महत्त्वपूर्ण है। सरकार भी स्वास्थ्य के क्षेत्र में भरपूर पैसा खर्च कर रही है, लेकिन इसके बावजूद व्यक्ति की अपनी जीवनशैली और संकल्प स्वस्थ रहने की दिशा में अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। रेहाना रियाज ने कहा कि योग भारत की दुनिया को बहुत बड़ी देन है। अपनी जीवन शैली में योग को शामिल करने से बेहतर कुछ नहीं है।

आयुर्वेद विभाग द्वारा राज्य मुख्यालय जयपुर में 9वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। आयुर्वेद विभाग द्वारा राज्य मुख्यालय जयपुर में 9वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन रामनिवास बाग स्थित फुटबाल ग्राउंड के प्रांगण में उत्साह एवं उल्लास के साथ किया। योग सत्र का उद्घाटन राजस्थान सरकार के आयुष मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर उन्होनें बताया कि स्वस्थ रहने के लिये नियमित योगाभ्यास, संतुलित खान-पान एवं संतुलित मन का होना बहुत आवश्यक है। अतिरिक्त निदेशक आयुर्वेद विभाग डॉ. जीतेन्द्र सिंह कोठारी ने बताया कि योग सत्र में आयुष विभाग राजस्थान के संयुक्त सचिव प्रतीक झाझडिया, विशेषाधिकारी डॉ. गिरधर गोपाल शर्मा, राजकीय आयुर्वेद योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा एकीकृत महाविद्यालय जयपुर की प्राचार्या श्रीमती कामिनी कौशल एवं अन्य कई प्रशासनिक अधिकारियों ने योगाभ्यास किया। वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. कल्पना वर्मा, एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. राहुल पाराशर एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की टीम ने योगाभ्यास कराया। जिला योग नोडल अधिकारी उपनिदेशक डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल ने बताया कि दुनियां भर के लोगों को ध्यान एवं योग के लाभों के प्रति जागरुक करने के लिये हर साल 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर आयुर्वेद विभाग के चिकित्साधिकारी, कम्पाउण्डर्स, आयुर्वेद महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं व अन्य कार्मिकों के साथ साथ विभिन्न विभाग यथा शिक्षा विभाग, चिकित्सा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम ग्रेटर/हेरिटेज जयपुर, पुलिस विभाग, एन.सी.सी. स्काउट एवं गाइड, नेहरु युवा केन्द्र, आदि विभाग के कार्मिक एवं वालिन्टियर्स तथा सामान्य नागरिकों ने पूर्ण उत्साह एवं जोश से योगाभ्यास किया। मीडिया प्रभारी डॉ. पीयूष त्रिवेदी ने बताया कि योग सत्र समारोह के मंच का संचालन इण्डिन मेडिसिन बोर्ड रजिस्टार डॉ कमल चन्द्र शर्मा एवं सहायक योग नोडल अधिकारी डॉ अंशुमान चतुर्वेदी ने किया।

राजस्थान सीमा पर दिगंबर जैन मुनियों के मंगल प्रवेश पर श्रद्धालुजन करेंगे अगवानी

निंबाहेड़ा. शाबाश इंडिया

गुरुवार को हजारों धर्मावलंबीयो की उपस्थिति में दिगंबर मुनि आदित्य सागरजी, अप्रतिम सागर जी,सहज सागर जी महाराज का संघ राजस्थान में नयागांव की ओर से प्रवेश करेगा। दिगंबर समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार दिगंबराचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के संघस्थ त्रयमुनि आदित्य सागरजी, अप्रतिम सागरजी, सहज सागर जी के आगामी चातुर्मास भीलवाड़ा में सुनिश्चित होने के दृष्टिगत राजस्थान के निंबाहेड़ा बार्डर की उड़ान होटल के नजदीक सकल दिगंबर जैन श्री संघों की अगुवाई में मुनि वृंदो की अगुवाई कर उनका स्वागत सत्कार किया जाएगा। क्षेत्र के हजारों धर्मावलंबियो की उपस्थिति में मुनि संघ की भव्य अगवानी कर मंगल प्रवेश के इस कार्यक्रम में मुनियो के पद प्रक्षालन,आशीर्वचन, आहारचर्या एवम अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। बुधवार को दिगंबर समाज के मतावलंबियों ने बड़ी संख्या में नीमच दिगंबर मांगलिक भवन पहुंच मुनि संघ से राजस्थान प्रवेश के लिए श्री फल भेंट कर विनती की। इस पर मुनि संघ ने पैदल विहार कर नया गांव के रास्ते निंबाहेड़ा की ओर विहार की सहमति जताते हुए मंगल प्रवेश की लिए आशीर्वाद दिया।

दुर्गापुरा गोशाला में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया

बुधवार 21 जून को 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में दुर्गापुरा गोशाला में योग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डिप्टी मेयर पूनीत कर्नावट, पार्षद दामोदर मिश्रा सहित अनेक गणमान्यों की उपस्थिति रही। गो माता सेवार्थ ग्रुप दुर्गापुरा द्वारा ये कार्यक्रम रखा गया। शौर्य अग्रवाल, हनुमान सोनी, कमल अग्रवाल, शैलेन्द्र शर्मा, राहुल जैन, दिनेच पंच, राकेश गट्टानी, शिखर जैन, कुशल अग्रवाल और अशोक जैन आदि सभी के सहयोग कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर राजस्थान गौ सेवा संघ के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। हर साल की भांती इस साल भी यह कार्यक्रम बेहद सफल रहा। इस अवसर पर डिप्टी मेयर पूनीत कर्नावट ने ग्रुप की सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

लिव विद योगा केंद्र में योग दिवस पर योगा कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर लिव विद योग केंद्र संस्था की ओर से निर्माण नगर में योग प्राणायाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त योगाचार्य राजवीर सिंह ने अपने शिष्यों को अयंगर थैरेपीयूटिक योग का अभ्यास कराया और योग की मेहता और उपयोगिता पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि इस पद्धति से जटिल रोगों का उपचार संभव है। इस अवसर पर योग पद्धति से होने वाले लाभ और अनुभव साझा किए लीव विद योग केंद्र में प्रतिदिन योग का कार्यक्रम आयोजित होता है और इसमें जिन लोगों की सक्रिय भूमिका और नियमित उपस्थिति रही उन सभी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अंशुल जैन ने किया।

झड़वासा में सामुहिक योगाभ्यास कर मनाया नवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। उपखण्ड के ग्राम पंचायत झड़वासा में बुधवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में नवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह वसुदेव कुटुम्बकम की थीम के साथ प्रातःकाल की सुमधुर बेला में आयोजित किया गया। योगाभ्यास सत्र के दौरान आसन, प्राणायाम व सूक्ष्म व्यायाम की क्रियाओं का शारीरिक शिक्षक आरती शेर व वरिष्ठ शिक्षक महेश चंद कच्छावा ने अभ्यास कराया। साथ ही प्राणायाम के लाभ व महत्वों पर प्रकाश डाला और बताया कि हमारे शरीर में जितनी भी चेष्टाएँ होती है, उन सभी का प्राण से प्रत्यक्ष सम्बन्ध है। प्राणायाम से इन्द्रियों एवं मन के दोष दूर होते है। आसन से योगी को रजोगुण, प्राणयाम से पापनिवृति और प्रत्याहार से मानसिक विकार दूर रहते है। स्थूल रूप से प्राणायाम श्वास-प्रश्वास के व्यायाम की एक पद्धति है,जिस से फेफड़े मजबूत ,दीर्घ आयु का लाभ मिलता है। विभिन रोगो का निवारण प्राण-वायु का प्राणायाम द्वारा नियमन करने से सहजतापूर्वक किया जा सकता है। प्रधानाचार्य कौशल्या यादव ने भी बताया की प्राणायाम द्वारा उद्वेग, चिंता, क्रोध, निराशा ,भय और कामुकता आदि मनोविकार का समाधान सरलतापूर्वक किया जा सकता है। प्राणायाम से मसितष्क की क्षमता बढाकर स्मरण-शक्ति, सुझबूझ, कुशग्रता, दूरदर्शिता, धारणा, मेघा आदि मानसिक विशेषताओ को प्राप्त किया जा सकता है।

वेद ज्ञान

चरित्र से पहचान

जीवन यानी संघर्ष यानी ताकत यानी मनोबल। मनोबल से ही व्यक्ति स्वयं को बनाए रख सकता है, अन्यथा करोड़ों की भीड़ में अलग पहचान नहीं बन सकती। सभी अपनी-अपनी पहचान के लिए दौड़ रहे हैं, चिल्ला रहे हैं। कोई पैसे से, कोई अपनी सुंदरता से, कोई विद्वता से और कोई व्यवहार से अपनी स्वतंत्र पहचान के लिए प्रयास कर रहा है, पर हम कितना भ्रम पालते हैं। पहचान चरित्र के बगैर नहीं बनती। बाकी सब अस्थायी है। चरित्र यानी हमारा आंतरिक व्यक्तित्व-एक पवित्र आभामंडल है। यह सही है कि शक्ति और सौंदर्य का समुचित योग ही हमारा व्यक्तित्व है, पर शक्ति और सौंदर्य आंतरिक भी होते हैं और बाह्य भी होते हैं। धर्म का काम है आंतरिक व्यक्तित्व का विकास। इसके लिए मस्तिष्क और हृदय को सुंदर बनाना अपेक्षित है, जो सद्विचार और सदाचार के विकास से ही संभव है। इसके लिए आध्यात्मिक चेतना का विकास आवश्यक है। आध्यात्मिक व्यक्ति की आस्थाएं, मान्यताएं और अभिरुचियां धीरे-धीरे परिष्कृत होती हैं। उत्कृष्ट चिंतन से जीवन का सलीका आता है। इससे अंतर्मन में संतोष और बाहर सम्मानपूर्ण वातावरण का सृजन होता है। ऐसे चरित्र और नैतिकता संपन्न व्यक्तित्वों के सामने इंद्र और कुबेर का वैभव भी समर्पित हो जाता है। चरित्र एक साधना है, तपस्या है। जिस प्रकार अहं का पेट बड़ा होता है, उसे रोज कुछ न कुछ चाहिए। उसी प्रकार चरित्र को रोज संरक्षण चाहिए और यह सब दृढ़ मनोबल से ही प्राप्त किया जा सकता है। समाज में संयमित व्यक्ति ही सम्माननीय है और वही स्वीकार्य भी। संयम ही जीवन है। अहिंसा की प्रतिष्ठा के लिए संयमप्रधान जीवनशैली का विकास जरूरी है। आसक्ति पर विजय प्राप्त किए बगैर संयम का विकास नहीं हो सकता। मानसिक और सामाजिक शांति व सुव्यवस्था के लिए अनासक्ति के आदर्श का अनुसरण जरूरी है। आसक्ति से जीवन में स्वार्थ और आग्रह की ग्रंथियां उत्पन्न हो जाती हैं। अहंकार का भाव बढ़ जाता है। मानव मन को उससे मुक्ति दिलाने के लिए अध्यात्म का आश्रय चाहिए। यह संतुलन की प्रक्रिया है। यही चरित्र की साधना है। सच तो यह है कि चरित्र निर्माण से ही जहां आपके व्यक्तित्व का निर्माण होता है, वहीं अच्छे-अनुकरणीय चरित्रवाले लोगों से ही देश का निर्माण होता है।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन से गर्मी और लू का कहर

पर्यावरण विज्ञानी जलवायु परिवर्तन से बढ़ते वैश्विक ताप के खतरे बार-बार रेखांकित करते रहते हैं। मगर उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में जिस तरह गर्मी और लू ने कहर बरपाना शुरू किया है, उससे इस बात की जरूरत रेखांकित हुई है कि इसके दुष्प्रभावों से बचने के लिए व्यावहारिक उपाय बहुत जरूरी हैं। उत्तर प्रदेश के बलिया में जिला अस्पताल में लू लगने से करीब छप्पन लोगों की मौत और अनेक के गंभीर रूप से बीमार हो जाने की खबर ने भय का माहौल बना दिया है। हालांकि अस्पताल प्रशासन का कहना है कि लू लगने की वजह से केवल दो लोगों की मौत हुई, बाकी लोगों की मौत की वजह दूसरी हैं। मगर इससे इस तथ्य को झुठलाया नहीं जा सकता कि जिन लोगों में पहले से मधुमेह, हृदय संबंधी परेशानी आदि हो, उन्हें अगर लू लग जाए, तो उनकी तकलीफ बढ़ जाती है। इसका समय रहते उपचार न हो पाए तो वह जानलेवा साबित होता है। लू लगने से न केवल निर्जलीकरण खतरनाक साबित होता है, बल्कि तंत्रिका तंत्र को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर देता है। इसलिए अस्पताल प्रशासन छोटी-मोटी तकनीकी वजहों का हवाला देकर इस अव्यवस्था पर परदा नहीं डाल सकता। कुदरत के मिजाज को एकदम से बदलना किसी के वश की बात नहीं होती। वह केवल उससे बचाव के उपायों पर अमल कर सकता है। ऐसा भी नहीं कहा जा सकता कि लू से बचाव के तरीके ग्रामीण लोगों को नहीं पता होते। मगर इस मौसम में उन्हें काम की वजह से बाहर निकलना मजबूरी हो जाती है, तभी वे लू आदि की चपेट में आ जाते हैं। शादी-विवाह में शामिल होने, खेती-किसानी के काम या फिर किसी व्यावसायिक वजहों से उन्हें इस तपती गरमी में भी घर से बाहर निकलना ही पड़ता है। ग्रामीण इलाकों में लू की मार इसलिए भी अधिक पड़ती है कि वहां खुला इलाका होता है। वे इससे बचाव के भी यथासंभव उपाय करते ही हैं। मगर गांवों में ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं है, जिन्हें पेड़ों के नीचे दिन गुजारना पड़ता है। जिनके पास पक्की छतें हैं, उनके घरों में बिजली की समुचित आपूर्ति न हो पाने से उन्हें पंखे तक की हवा नसीब नहीं हो पाती। ऐसे लोगों को लू लगने की आशंका बहुत रहती है, लगती भी है। मगर इससे भी त्रासद स्थिति तब हो जाती है, जब लू लगने के बाद लोग अस्पताल पहुंचें और वहां उन्हें समुचित उपचार उपलब्ध न हो सके। सरकारी अस्पतालों की हालत किसी से छिपी नहीं है। जब सामान्य दिनों में उनके पास रोगों के लक्षण जांचने, उनका उपचार उपलब्ध कराने की जरूरी व्यवस्था नहीं होती, तो जिस मौसम में बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है, वहां क्या हाल होता होगा, अंदाजा लगाया जा सकता है। बिस्तरों, चिकित्सकों, परिचारकों, जांच उपकरणों, दवाओं आदि की भयानक कमी की स्थिति में मरीजों का दबाव झेल पाना अस्पतालों के वश की बात नहीं रह जाती। जब लू लगने जैसी स्थिति से निपटने में कोई अस्पताल इस कदर असहाय देखा जाता है, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि संक्रामक बीमारियों के फैलने पर वह कैसे काबू पा सकता होगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आदर्श चरित्र...

पुरुषोत्तम भगवान राम भारतीय जनमानस ही नहीं, दुनिया के एक बड़े हिस्से, हिंदू ही नहीं, दूसरे धर्मों के लोगों की भी आस्था से जुड़े हैं। वे एक आदर्श चरित्र हैं, आदर्श परिवार और समाज की स्थापना के लिए संघर्षरत हैं। धीरोदात्त नायक हैं। आदर्श पुत्र, आदर्श पति, आदर्श भाई और आदर्श प्रजा पालक। सीता आदर्श बेटी, आदर्श बहन, आदर्श पत्नी और आदर्श बहू हैं। भगवान हनुमान उनके अनन्य भक्त। इसलिए इनके चरित्र लोक आस्था में गहरे बसे हुए हैं। स्वाभाविक ही जब इनके चरित्र के साथ किसी प्रकार की तोड़-फोड़ करने की कोशिश की जाती है, तो उस आस्था को चोट पहुंचती है। ऐसा नहीं माना जा सकता कि मनोज मुंतशिर को यह बात पता नहीं। उन्होंने तो खूब बढ़-चढ़ कर भगवान राम से अपना अगाध प्रेम जाहिर किया। फिर भी उन्होंने जानबूझ कर अगर राम, सीता और हनुमान के चरित्र को बिगाड़ने का प्रयास किया तो उसकी निंदा स्वाभाविक है। हालांकि शुरू में उन्होंने फिल्म के हर संवाद को उचित ठहराने का प्रयास किया, मगर जब चौतरफा विरोध बढ़ गया, तो उन्होंने स्वीकार कर लिया है कि फिल्म आदिपुरुष के जिन संवादों को लेकर लोगों को आपत्ति है, उन्हें बदल दिया जाएगा। रामायण की कथा के इतने रंग हैं कि उसमें हर रचनाकार अपने-अपने ढंग से रंग चुनता रहा है। यही वजह है कि जितने प्रकार की रामायणें दुनिया भर में लिखी गई होंगी, जितनी रामलीलाएं खेली जाती होंगी, जितनी फिल्में और धारावाहिक इसे लेकर बने होंगे, उतने और किसी पौराणिक कृति पर नहीं बने। हर किसी ने कुछ न कुछ अलग तरीके से पेश करने का प्रयास किया है। मगर सबमें मूल बात यही है कि किसी ने भी रामायण की मूल भावना के साथ छेड़छाड़ नहीं की है, किसी भी चरित्र को विद्रूप करने का प्रयास नहीं किया है, बल्कि उसके उज्ज्वल पक्षों को और उभारने की ही कोशिश की है। ऐसे में अलग रचने की चुनौती मनोज मुंतशिर के सामने भी रही होगी। मगर अलग दिखने के लिए उन्होंने जिस तरह बिल्कुल टपोरी तरीका अपनाया, वह भारतीय मन कभी बर्दाश्त नहीं कर सकता। फिल्म का जो शिल्प चुना और उसकी तैयारी में जिस तरह के तंत्र का इस्तेमाल किया गया है, उसी से स्पष्ट है कि उनका मूल मकसद रामायण में से कुछ नई बात निकाल कर पेश करने का था ही नहीं। दरअसल, आजकल कथावाचकों का एक ऐसा वर्ग भी तैयार हो गया है, जो रामायण की कथा को बिल्कुल सड़कछाप भाषा में सुना कर तालियां बटोरने का प्रयास करता देखा जाता है। मनोज मुंतशिर ने भी वही करने की कोशिश की। इस कोशिश में कमाई के लिहाज से वे सफल भी बताए जा रहे हैं। जब भी कोई रचना तालियां और पैसा बटोरने के मकसद से लिखी या बनाई जाती है, तो उसका हश्र यही होता है। कुछ दिन की सतही उत्तेजना के बाद वह निस्तेज हो जाती है। अच्छी बात है कि इस फिल्म को लेकर उस तरह तोड़-फोड़ और हिंसा की घटनाएं नहीं होने पाईं, लोगों की आस्था आहत तो हुई, पर उन्होंने लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जताया। मगर सवाल अब भी यही है कि आखिर मनोज मुंतशिर गहन आस्था के पौराणिक चरित्रों को इस तरह विकृत कर समाज को देना क्या चाहते थे। बल्कि इस फिल्म से यही जाहिर होता है कि उन्हें न तो भारतीय समाज की बुनावट की सही पहचान है और न वे उस ताने-बाने को मजबूत बनाए रखने में यकीन करते हैं।

परवार महिला संगठन की ग्रीष्मकालीन पहली मीटिंग संपन्न

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। मस्ती और मनोरंजन के साथ, मैंगो कलर का ड्रेस अप और ग्रीष्मकालीन मनोरंजन संग मॉकटेल और कोल्ड ड्रिंक बनाओ प्रतियोगिता के साथ दिगंबर जैन परवार महिला संगठन की मीटिंग स्थानीय जबरी बाग नसिया में संपन्न हुई। कार्यक्रम की रंगारंग शुरूआत संयोजक गण श्रीमती बंदना और श्रीमती लक्ष्मी जैन के मंगलाचरण से हुई। इसके पश्चात सभी सदस्यों ने स्टेज पर अनोखे अंदाज में अपना परिचय दिया एवं कैटवॉक करने के साथ समर सीजन के दौरान रखने वाली सावधानियों के लिए प्रेरक संदेश प्रस्तुत किए। इसमें सदस्यों द्वारा जल बचाने, पक्षियों के लिए दाना पानी की व्यवस्था करने एवं समर सीजन में निज स्वास्थ्य की सुरक्षा हेतु धूप एवं लूं से बचें और खूब पानी पीने के संदेश आकर्षक तरीके से दिए। शानदार नृत्य प्रस्तुति के साथ-साथ मॉकटेल और ठंडे पेय पदार्थ बनाने की प्रतियोगिता भी संपन्न हुई । बने हुए पेय पदार्थों का सभी सदस्यों ने आनंद लिया और प्रतिभागियों की सराहना की। महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन ने बताया कि मॉकटेल एवं ठंडे पेय पदार्थ बनाओ प्रतियोगिता एवं समर क्वीन प्रतियोगिता की निर्णायक श्रीमती प्रीति जैन एवं श्रीमती सोनाली बागड़िया द्वारा प्रथम स्थान श्रीमती सविता जैन मोदी, द्वित्तीय श्रीमती प्रियंका जैन एवं तृतीय पुरस्कार श्रीमती बरखा जैन को प्राप्त हुआ। समर क्वीन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार श्रीमती वर्षा जैन द्वितीय पुरस्कार श्रीमती ज्योति जैन एवं तृतीय पुरस्कार श्रीमती रागिनी जैन को प्राप्त हुआ। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया एवं सदस्यों ने तंबोला खेला एवं शानदार प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान श्रीमती रश्मि जैन, लक्ष्मी जैन, अनुभा जैन, मंजू जैन, अर्चना जैन, शोभा जैन, नीलू जैन सरिता जैन सहित महिला संगठन की डेढ़ सौ से अधिक महिला सदस्य उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन संगठन की सचिव श्रीमती सारिका जैन ने किया एवं आभार श्रीमती अंजलि जैन ने माना। अंत में सुस्वादु भोजन के साथ मीटिंग संपन्न हुई

रामकथा महोत्सव के शुभारंभ पर निकली कलश यात्रा

श्रीमहावीरजी. शाबाश इंडिया

कस्बे के बालाजी मंदिर परिसर में रामदरबार प्राण प्रतिष्ठा एव रामकथा महोत्सव में बुधवार को रामकथा के शुभारंभ पर प्रातः विशाल कलश यात्रा आयोजित हुई जिसके सैकड़ों महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर नगर परिक्रमा की। व्यास आरती भारद्वाज ने बताया कि बालाजी मंदिर के समीप सांस्कृतिक मंच के बुधवार को रामकथा शुभारंभ के अवसर पर कलश यात्रा का आयोजन हुआ जिसमें कस्बे की सैकड़ों महिलाओं ने कलश यात्रा में हिस्सा लिया। कलश यात्रा बालाजी मंदिर से शुरू देवनारायण मंदिर मिस्त्री मार्केट, बस स्टैंड मोदी कॉलोनी, मुख्य बाजार होकर कथा पांडाल में पहुँची जिसमें आगे-आगे बग्गी, ऊँटगाड़ी , घोड़ा उनके पीछे बालाजी भक्त मंडल के युवा श्रीराम के जयकारों कर साथ नृत्य कर रहे थे। परीक्षित आराम सिंह ने रामायण महाग्रथ व ठाकुरजी को गोलू सिघल ने सिर पर धारण किया।

नवीन वेदी में विराजे श्रीजी

धर्म की जड़ सदा हरी: आर्यिकाश्री

जयपुर. शाबाश इंडिया

वरुण पथ मानसरोवर श्री दिगंबर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका 105 भरतेश्वरी माताजी ससंघ के सानिध्य व पंडित प्रद्युमन शास्त्री के निर्देशन में तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के तृतीय दिन प्रातः नित्यभिषेक, शांति धारा, के साथ भगवान महावीर की अष्ट द्रव्यों से सैकड़ों महिला एवं पुरुषों ने संगीतमय पूजा के अर्ध चढ़ाए व विश्व शांति महायज्ञ हवन में आहुति दी। चित्र अनावरण, पादप्रक्षालन, शास्त्र भेंट, पदम चंद, राजेश जैन भरतपुर परिवार ने किया। इससे पूर्व आर्यिकाश्री ने अपने आशीर्वचन में बताया जिस मनुष्य ने भगवान का मंदिर का निर्माण किया है उसका निर्वाण (मोक्ष) निश्चित है । जिसने मंदिर में प्रतिमा स्थापित की है, उसके परिवार में सुसंस्कार निश्चित आयेंगे। आर्यिका श्री ने बताया धर्म की जड़ सदा हरि होती है। सुनील जैन गंगवाल ने बताया नवनिर्मित जिनालय का भामाशाह भंवरी निर्मल काला ने व वेदी का सतीश-मंजू कासलीवाल, कार्यालय का उद्घाटन हरीश लता बगड़ा ने किया। आर्यिकाश्री द्वारा चैत्यालय की प्रतिमा के साथ मंदिर के शिखर पर विराजमान श्रीजी को मंत्रोचार से बीजाक्षर अंकित कर नवनिर्मित जिनालय में विराजमान किया। समिति अध्यक्ष एम पी जैन, मंत्री जे के जैन ने बताया समिति द्वारा समाज के द्वारा प्रतिष्ठित, सरल हृदय, दानवीर, मुनि भक्त, निर्मल कुमार काला (वनस्थली विद्यापीठ) जेतपुरा वाले को समिति को दिये गये आर्थिक सहयोग के लिए भामाशाह की उपाधि से अलंकृत कर सम्मान पत्र देकर गौरान्वित किया गया , जिसे अध्यक्ष द्वारा समाज के सामने पढ कर सुनाया। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न पुण्यार्जक मूलचंद जैन लालकोठी, ज्ञानचंद खेड़ली, अजीत जैन इडइ, पुरन मल अनोपडा, सुरेश चंद जैन बांदीकुई, अशोक पापड़ीवाल, सी एम जैन, श्रीपाल बड़जात्या, अनिल दीवान, शैलेंद्र जैन, रविन्द्र जैन, मुकुट सेठी, अजीत जैन, सुरेंद्र जैन गुजर की थड़ी, सुधीर बोहरा, डॉ कमला गर्ग, सुनील गोधा, कौशल्या पाटोदी, बी के जैन टी टी, नरेंद्र कासलीवाल, गुणमाला जैन, कैलाश जैन,मनमोहन जैन का माला व साफा पहना कर स्वागत किया।

ज्ञानतीर्थ पर होगी 23 जून को जैनेश्वरी मुनि दीक्षा

आगरा के नवीन पूणारावत बनेंगे दिगम्बर जैन संत। आज ज्ञानतीर्थ पर होगी मेंहदी, हल्दी, गोद भराई

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। श्री ज्ञानतीर्थ क्षेत्र जैन मंदिर में प्रथमबार 23 जून को जैनेश्वरी दिगम्बर मुनि दीक्षा होने जा रही है। ज्ञानतीर्थ आराधक महा परिवार की ओर से प्रदत्त जानकारी के अनुसार छाणी परंपरा के षष्ट पट्टाचार्य सराकोद्धारक समाधिस्थ आचार्य 108 श्री ज्ञानसागर जी महाराज के प्रभावक शिष्य सप्तम पट्टाचार्य 108 श्री ज्ञेयसागर जी महाराज के करकमलों द्वारा संघस्थ ब्रह्मचारी नवीन भैयाजी आगरा जैनेश्वरी दिगम्बर मुनि दीक्षा ग्रहण करेंगे । ज्ञानतीर्थ की पावनधरा पर प्रथमवार होने जा रही दिगम्बर मुनि दीक्षा के पावन अवसर पर मुनिश्री 108 ज्ञातसागर जी महाराज, बा. ब्र . जयकुमार निशांत टीकमगढ़, नितिन भैयाजी खुरई, प्रदीप पियूष भैयाजी जबलपुर, संजय भैयाजी मुरैना, महावीर भैयाजी मुरैना, ब्र.ब.अनीता दीदी, मंजुला दीदी, ललिता दीदी अपना निर्देशन प्रदान करेंगी। श्री ज्ञानतीर्थ क्षेत्र पर आज 22 जून को दोपहर 03 बजे से दीक्षार्थी ब्र.नवीन भैयाजी की मेंहदी, हल्दी एवम गोद भराई के कार्यक्रम रखे गये हैं। दीक्षार्थी नवीन जैन मूलरूप से राजस्थान के राजाखेड़ा के निवासी हैं । वर्तमान में गुदड़ी मंसूर खां आगरा में निवासरत थे। जैसवाल जैन उपरोचियां समाज के पूणारावत गोत्रिय श्री नरेंद्र जैन सुषमा जैन के परिवार में आपका जन्म 1 दिसंबर 1981 को आगरा में हुआ था । आपकी लौकिक शिक्षा 12वीं तक है। आपके एक भाई और तीन बहिनें हैं । आपने 22 दिसंबर 2021 को आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत लेकर गृह त्याग किया था। वैराग्य के भाव उमड़े तो नवीन जैन ने पूज्य गुरुदेव श्री ज्ञेयसागर जी महाराज को श्रीफल अर्पित कर दिगम्बरी मुनि दीक्षा देने का निवेदन किया। पूज्य गुरुदेव ने उन्हें काफी समय तक अपने साथ रखकर संयम के मार्ग पर चलने का अभ्यास कराया।

निवाई मे जैन सन्तों का गाजे-बाजे से मंगल प्रवेश हुआ

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में ज्ञानोपयोगी वात्सल्य रत्नाकर आचार्य वसुनंदी महाराज के शिष्य मुनि श्री सर्वानंद महाराज, मुनि श्री जिनानंद महाराज, मुनि श्री पुण्यानंद महाराज ससंघ का निवाई शहर में मंगल प्रवेश हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि मुनि सर्वानंद महाराज 3 पिच्छी सहित सेकडों श्रद्धालुओं के जयकारों के साथ पहाड़ी चुंगी नाके से गाजेबाजे के द्वारा वैयरहाउस बस स्टैंड होते हुए बपुंई वालो की धर्मशाला स्थित चंद्र प्रभु भगवान मंदिर पहुंचे जहाँ सभी जैन संतो ने मूलनायक श्री जी के दर्शन किए।

आचार्य सौरभ सागर महाराज का जयपुर में मंगल प्रवेश 25 को

29 को प्रताप नगर में प्रवेश, 2 को चातुर्मास कलश स्थापना

जयपुर. शाबाश इंडिया

छोटी काशी के नाम से विख्यात राजधानी जयपुर में चातुर्मास के लिए साधु-संतों के प्रवेश सम्पन्न हो रहे हैं। इसी कड़ी मे आचार्य सौरभ सागर महाराज जिनकी दीक्षा 29 वर्षो पहले आचार्य पुष्पदंत सागर महाराज के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुई जिसके उपरांत आचार्य सौरभ सागर दिल्ली, यूपी, हरियाणा, एमपी में अपने लगातार चातुर्मास सम्पन्न करते रहे, अपने 29 चतुमार्सो मे से लगभग 24 चातुर्मास आचार्य श्री ने देश की राजधानी दिल्ली में किये समाज बंधुओं, युवाओं, महिलाओं में धर्म की विजय पताका लहराकर उन्हें धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रशस्त किया। ऐसे संत का राजधानी जयपुर की धरा पर पहली बार भव्य मंगल प्रवेश रविवार, 25 जून को होने जा रहा है। श्री पुष्प वर्षायोग समिति गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद वालों ने जानकारी देते हुए बताया कि आचार्य श्री का बुधवार को बस्सी के शर्मा फार्म हाउस पर रात्रि विश्राम हुआ, गुरुवार को दयालपुरा, शुक्रवार को चूलगिरी और शनिवार को मोहनबाड़ी जैन मंदिर में रात्रि विश्राम

होगा, रविवार को मोहनबाड़ी से हवामहल आएंगे, जहां सकल जैन समाज जयपुर भव्य लवाजमें और जयकारों के साथ अगवानी करेंगे। यहां से यात्रा शोभायात्रा में तब्दील हो जाएगी जिसमें समाजबंधुओं सहित हाथी, घोड़े, बेंड-बजें आदि सम्मिलित होकर यात्रा की शोभा बढ़ाएंगे और नाचते-गाते आचार्य श्री को जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, बापू बाजार, न्यू गेट, अजमेरी गेट से होते हुए भट्टारक जी की नसियां में मंगल प्रवेश सम्पन्न करवाएंगे। इसके उपरांत शोभायात्रा विशाल धर्मसभा में तब्दील हो जाएगी। जहां पर मंगलाचरण, चित्र अनावरण, दीप प्रवज्जलन, पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट इत्यादि क्रियाओ के साथ आचार्य श्री के मंगल प्रवचन सम्पन्न होंगे।

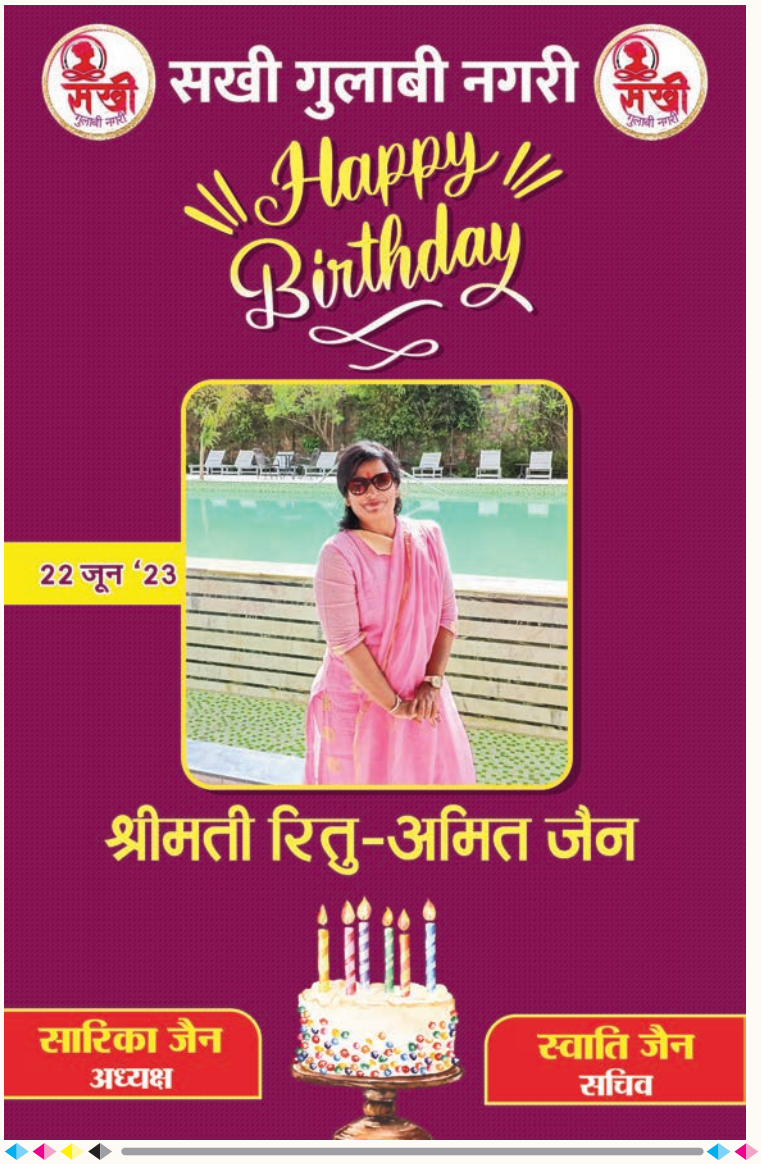

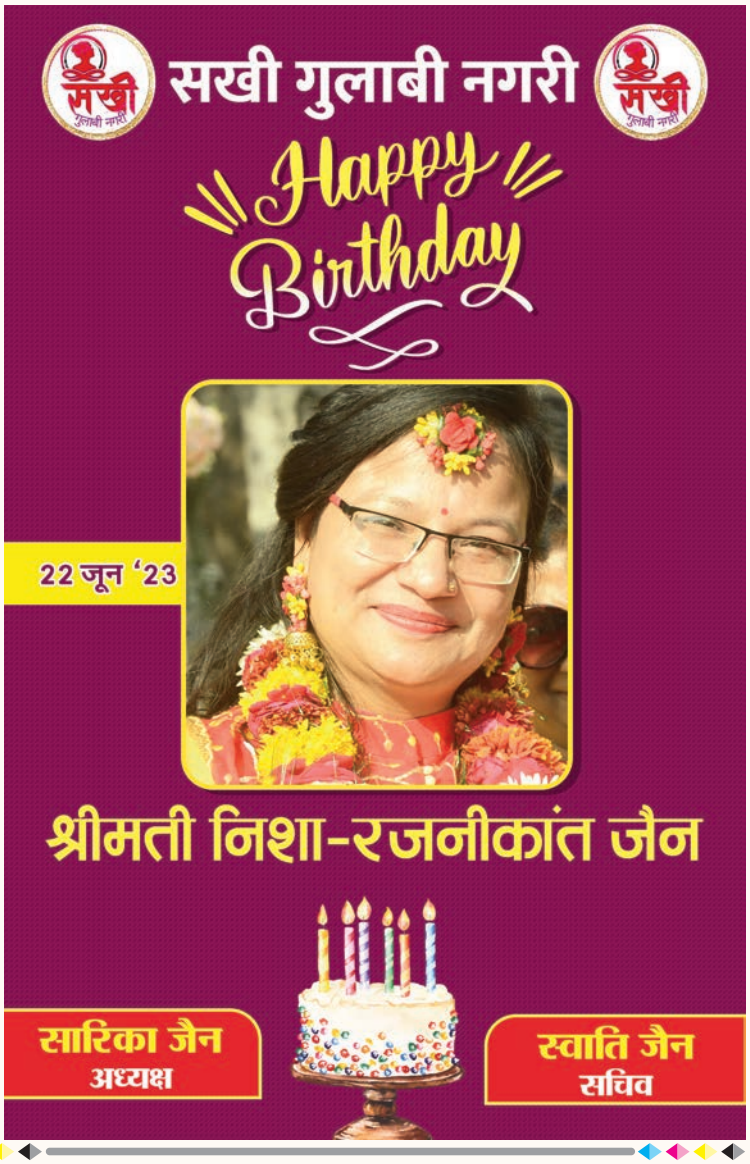

श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन करवाने की मांग

मुख्यमंत्री से मिला जैन समुदाय का प्रतिनिधिमंडल

जयपुर. शाबाश इंडिया

दशाहुमड़ दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष दिनेश खोड़निया एवं प्रमुख उद्योगपति अशोक पाटनी के नेतृत्व में जैन समुदाय के प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात कर प्रदेश में श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन करने की मांग करते हुए अपना ज्ञापन सौंपा। इस

श्री दिगम्बर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय समिति के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश जैन तथा श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के अध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि प्रदेश में श्रमण संस्कृति बोर्ड के गठन से ना केवल देश में बल्कि समूचे विश्व में सुख शान्ति, अहिंसा का वातावरण बनेगा।

अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल और मानद मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि वैदिक काल से श्रमण संस्कृति विद्यमान है। जैन धर्म के संरक्षण एवं जैनसंतो की चर्या के पालन के लिए प्रदेश में श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन आवश्यक होकर महत्तवपूर्ण है' जैन तीर्थ क्षेत्र, अतिशय क्षेत्र, जैन मन्दिर, उपाश्रय, धर्मशालाए, भोजनशाला, औषधालय, चिकत्सालय की सुरक्षा के साथ जैन संतो साध्वियों के विहार के दौरान सुरक्षा, मूलतः प्राकृत अपभ्रंश एवं पाली भाषाओं में हस्तलिखित जैन साहित्य सहित प्राचीन ग्रंथों की सुरक्षा मौजूदा परिस्थितियों में बेहद जरूरी है। वरिष्ठ अधिवक्ता खिल्लीमल जैन व श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के अध्यक्ष रमेश तिजारिया ने बताया कि श्रमण संस्कृति केन्द्र में वर्तमान समय में सैकड़ों छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं जिन्हें संस्कृत, अपभ्रंश भाषा, जैन दर्शन के साथ जैन धर्म की शिक्षा दी जा रही है और जैन विद्या संस्थान एवं अपभ्रंश साहित्य अकादमी में हजारों पांडुलिपियों एवं पुस्तकों का संग्रह है। श्री दिगम्बर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय समिति के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश जैन तथा श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के अध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि प्रदेश में श्रमण संस्कृति बोर्ड के गठन से ना केवल देश में बल्कि समूचे विश्व में सुख शान्ति, अहिंसा का वातावरण बनेगा। इससे पं.जवाहरलाल नेहरू के पंचशील के सिद्धान्त वृद्धिगत होंगे से.नि.आई.ए.एस.अशोक जैन एवं समाज सेवी कमल बाबू जैन ने बताया कि वर्तमान समय प्रदेश में बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक वर्ग का जैन समुदाय निवास करता है इसके बावजूद भी जैन संस्कृति और जैन संस्थाओं का संचालन स्वतंत्र रूप से नही हो पा रहा है समय-समय पर अनेक विरोधी तत्व एवं संगठन जैन समुदाय के सदस्यो,जैन साधु संतो एवं संस्थाओं के विरुद्ध बयानबाजी और हमला करते रहते हैं। इस अवसर पर राजस्थान समग्र जैन युवा परिषद् के संरक्षक अशोक बांठिया और अध्यक्ष जिनेन्द्र जैन ने बताया कि प्रदेशभर में कई श्रमणों ने समाजिक कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री के सम्मुख और गौसेवा आयोग के अध्यक्ष मेवाराम जैन ने विधानसभा में इस सन्दर्भ में मांग उठाई व राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्था आयोग के अध्यक्ष जस्टिस नरेन्द्र कुमार जैन व कई कैबिनेट मंत्री,राज्यमंत्री, विधायक तथा अल्पसंख्यक वर्ग के जैन और अन्य समुदाय के कई संगठनो ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिख कर श्रमण संस्कृति बोर्ड का गठन करने की मांग की है' इस अवसर पर विनोद कुमार कोटखावदा,प्रदीप जैन, सुभाष चन्द जैन, मनीष वैद,पदम चन्द बिलाला, हिम्मत चन्द डोसी, प्रकाश चन्द लोढ़ा, राकेश गोधा,सुभाष गोलेछा आदि कई समाज श्रेष्ठि उपस्थित थे।

आचार्य विनीत सागर महाराज का 2023 का चातुर्मास श्योपुर प्रताप नगर में

सकल दिगम्बर जैन समाज ने चातुर्मास हेतु चढ़ाया श्रीफल

जयपुर. शाबाश इंडिया। ग्वालियर वाले आचार्य कल्याण सागर महाराज के शिष्य प्रसिद्ध दिगम्बर जैन आचार्य विनित सागर महाराज ससंघ का वर्ष 2023 का चातुर्मास जयपुर के प्रताप नगर स्थित श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर श्योपुर में होगा। यह घोषणा जयपुर प्रतापनगर के श्योपुर से बूंदी गये श्रावकों के समक्ष आचार्य श्री द्वारा की गई। राजस्थान जैन युवा महासभा दक्षिण संभाग अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि इस संबंध में श्योपुर जैन समाज के वरिष्ठ राजेश हाड़ा,अशोक छाबड़ा, अध्यक्ष बाबूलाल पाटनी, पूर्व अध्यक्ष अशोक बाकलीवाल,अशोक पापड़ीवाल, प्रदीप पांड्या, रमेश काला, राजेंद्र फागी, राकेश पाटनी, हुकम चंद जैन, अनिल पाटनी, नीरज जैन, आकाश जैन, रोहित जैन, मनीष रेणी, महावीर शाह,प्रेम लता बाकलीवाल, नीतू लुहाड़िया बीना पाटनी, सुशीला हाड़ा मीनू निमोडिया एवम समाज के अन्य सदस्यों ने आचार्य भगवन से चातुर्मास हेतु निवेदन करते हुए सिलोर विनीत धाम बूंदी में श्रीफल चढ़ाया। आचार्य भगवन द्वारा समाज के भावों को ध्यान में रखकर 2023 चातुर्मास श्योपुर प्रताप नगर में करने की घोषणा की गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com